१७ - झूठ की पहचान

1

संसार का सबसे बड़ा धोखा

2

संसार के सबसे बड़े धोखों में से एक १९६० में हुआ था। डेविड स्टीन नाम के एक चतुर फ्रांसीसी युवक ने पिकासो, शागाल्स, रीनोए, और वेनगो जैसे महान चित्रकारों की ४०० से अधिक तैलचित्रों की नकल की। उसने इन प्रसिद्ध कलाकारों के वास्तविक नाम उन आम रचनाओं पर लिखे और उन्हें असली के समान प्रस्तुत किया।

ये नकली चित्र धोखे के अति उम उदाहरण बने। इतना ही नहीं, विशेषज्ञों ने उन्हें विश्वसनीय घोषित किया!

3

(दृश्य)

आज तक उन नकली चित्रो में से केवल ११० की ही पहचान हो पाई है। स्टीन को १९७२ में सजा हुई और उसने सिंग सिंग जेल और पेरिस, फ्रांस में जेल काटी। वह १९८० में जेल से रिहा हुआ। जब वह जेल में था तब उसका हृदय परिवर्तित हो गया और उसने अपने ही नाम से चित्रकारी करने का निर्णय किया।

१७ - झूठ की पहचान

4

(दृश्य)

आज स्टीन संसार का प्रसिद्ध कलाकार और कला प्रवक्ता है। और क्या आप जानते हैं कि वह किस विषय पर प्रवचन देता है? जी हाँ, "नकल को कैसे पकड़ें"। आप सहमत होगे किं स्टीन ने निश्चय यह दिखाया कि नकल को पकड़ना सदैव आसान नहीं होता चाहे पकड़ने वाला कितना ही निपुण क्यों न हो।

किन्तु वह जितना भी चालाक रहा हो जब उसकी उन सबके परदादा शैतान से तुलना की जाए तो वह वास्तव में इस क्षेत्र में एक बालक जैसा है।

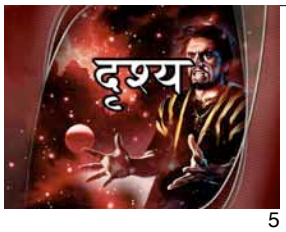

5

(दृश्य)

जब ठगी, धोखा और नकल करने की बात आती है तो शैतान की बराबरी करने वाला कोई नहीं। वास्तव में शैतान खुले रुप में काम नहीं करता।

वह दूसरे लोगों व दूसरी शक्तियों और अभिकर्त्ताओं के द्वारा कार्य करता है।

यदि वह परमेश्वर और सत्य का खुला शत्रु होता तो किसी मसीही के धोखा खाने का खतरा काफी कम होता। इसलिए वह भेष बदलकर काम करता है कभी -कभी तो धर्म के ही लिबास में होकर निष्कपट ढोंग करते हुए –

१७ - झूठ की पहचान

6

सत्य और झूठ को मिलाकर मनुष्यों को परमेश्वर की सच्ची आराधना करने से दूर करता है हजारों वर्षों से उसकी यही एक तीव्र लालसा रही है।

7

परमेश्वर हमें इस महान धोखेबाज की दया पर नहीं छोड़ता किन्तु अन्त समय के महानतम धोखों के विषय में बाइबिल के द्वारा हमें चिताया है।

8

बाइबिल कहती है स्वयं दानिय्येल ने स्वप्न में जन्तुओं को समुद्र में से बाहर आते हुए देखा।

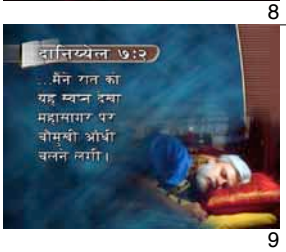

9

(मूलपाठः दानिय्येल ७:२,३)

"...मैंने रात को यह स्वप्न देखा", दानिय्येल ने लिखा, "और देखो, महासागर पर चौमुखी आँधी चलने लगी।

10

और समुद्र में से चार बड़े -बड़े जन्तु जो एक-दूसरे से भिन्न थे निकल आये।"

दानिय्येल ७:२,३

11

समुद्र से निकले जन्तु? इन सबका क्या अर्थ हो सकता है?

१७ - झूठ की पहचान

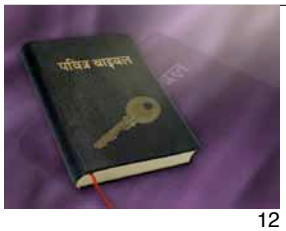

12 आइए हम बाइबिल को ही इस प्रतीकात्मक भविष्यवाणी को खोलने की चाबी दे दें।

सर्वप्रथम इस स्वप्न में जल है।

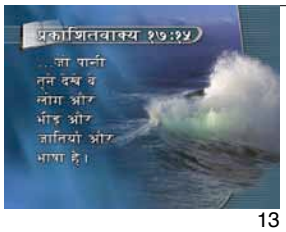

13 (मूलपाठः प्रकाशितवाक्य १७:१५)

प्रकाशितवाक्य १७:१५ कहता है : "...जो पानी तूने देखे वे लोग और भीड़ और जातियाँ और भाषा है।"

उसी अध्याय में परमेश्वर दानिय्येल से कहता है कि ये जन्तु किसे दर्शाते हैं:

14 (मूलपाठः दानिय्येल ७:१७,२३)

"उन चार बड़े - बड़े जन्तुओं का अर्थ चार राज्य है जो पृथ्वी पर उदय होंगे।

15 ...उस चौथे जन्तु का अर्थ एक चौथा राज्य है जो पृथ्वी पर होकर।"

दानिय्येल ७:१७,२३

परमेश्वर का वचन स्पष्ट करता है कि एक जन्तु एक राजा या राज्य को दर्शाता है।

१७ - झूठ की पहचान

16

पृथ्वी की आबादी भरे क्षेत्र से निकलने वाले जन्तु विशेष राष्ट्रों को दर्शाते थे जो कि अस्तित्व में आएंगे। ध्यान दीजिए उसने दानिय्येल ७:३ में उनका किस प्रकार वर्णन करता ह :

17

(मूलपाठ : दानिय्येल ७:३)

"और समुद्र में से चार बड़े -बड़े जन्तु जो एक दूसरे से भिन्न थे निकल आये।"

18

(मूलपाठः दानिय्येल ७:४)

"पहिला जन्तु सिंह के समान था और उसके पंख उकाब के से थे ... "

दानिय्येल ७:४

19

(मूलपाठः दानिय्येल ७:५)

"फिर मैंने एक और जन्तु को देखा जो रीछ के समान था और एक पांजर के बल उठा हुआ था,

20

और उसके मुँह में दातों के बीच तीन पसुली थीं ..."

दानिय्येल ७:५

१७ - झूठ की पहचान

21

(मूलपाठः दानिय्येल ७:६)

"इसके बाद मैंने दृष्टि की और देखा, कि चीते के समान एक और जन्तु है जिसकी पीठ पर पक्षी के से चार पंख हैं ..."

दानिय्येल ७:६

22

(मूलपाठः दानिय्येल ७:७)

"फिर इसके बाद मैंने दृष्टि की और देखा कि एक चौथा जन्तु है जो भयंकर और डरावना और बहुत सामर्थी है।"

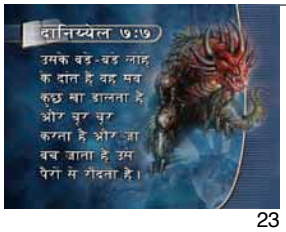

23

उसके बड़े -बड़े लोहे के दांत हैं वह सब कुछ खा डालता है और चूर चूर करता है और जो बच जाता है उसे पैरों से रौंदता है।

24

और वह सब पहिले जन्तुओं से भिन्न हैं और उसके दस सींग है।"

दानिय्येल ७:७

25

कितनी अद्भुत जन्तुशाला! आप देखेंगे कि इनमें से कोई जन्तु सामान्य जन्तु नहीं हैं।

उन सबमें कुछ विशेषताएँ हैं जो स्वप्न को समझने में हमारी सहायता करती हैं।

१७ - झूठ की पहचान

26

दानिय्येल ने जब चार जन्तुओं के स्वप्न को याद किया होगा तो उसने अवश्य ही महान राजा नबूकदनेस्सर के विशाल धातु पुरुष के स्वप्न तुलना की होगी। दोनों ही स्वप्नों के प्रतीकों ने प्राचीन संसार के चार साम्राज्यों को दर्शाया है,

27

(दृश्य)
यह बाबुल से आरम्भ होकर मादी और फारसी का साम्राज्य यूनान का राज्य, रोमन साम्राज्य,

28

और जिसका अन्त यीशु के आगमन और उनके सनातन राज्य की स्थापना से है।

29

आइए हम पुनः वापस चलकर पृथ्वी की आबादी वाले क्षेत्र से निकलने वाले जन्तुओं या राष्ट्रों में से प्रत्येक को देखें:

30

(मूलपाठः दानिय्येल ७:४)
"पहला जन्तु सिंह के समान था और उसके पंख उकाब के से थे। और मेरे देखते-देखते उसके पंख के पर नीचे गिर गए;

१७ - झूठ की पहचान

31

और वह भूमि पर से उठाकर मनुष्य की नाईं पावों के बल खड़ा किया गया और उसको मनुष्य का हृदय दिया गया।"

दानिय्येल ७:४

32

जन्तुओं के राजा सिंह से बेहतर प्रतीक विश्व के प्रथम साम्राज्य बाबुल (ऊँची मूर्ति में सोने का सिर) के लिए और क्या हो सकता था?

33

प्राचीन बाबुल के लोग अपने साम्राज्य के प्रतीक के लिए सिंह का प्रयोग करते थे? पुरातत्ववेाओं ने बाबुल के खण्डहरों में से उकाब के से पंखो वाले सिंह के प्रतीक को खुदाई करके निकाला था।

34

जिस प्रकार सिंह अपनी शक्ति और दूसरे जन्तुओं को बलपूर्वक अधीन करने के लिए माना जाता है, उसी प्रकार बाबुल की सेना की दूसरों को बलपूर्वक अपने अधीन करने में कोई बराबरी में न था। जिस तीव्र गति से बाबुल ने शक्ति प्राप्त की और अपने साम्राज्य को बढ़ाया उसका उचित प्रतीक उकाब के पंख ही हो सकते हैं। ध्यान दीजिए कि परमेश्वर बाबुल के लिए उसी प्रतीक -- सिंह -- का प्रयोग करता है:

१७ - झूठ की पहचान

35

(मूलपाठः यिर्मयाह ४:७)

"एक सिंह अपनी झाड़ी से निकला जाति - जाति का नाश करने वाला चढ़ाई करके आ रहा है।

36

वह अपने स्थान से इसलिए निकला है कि तुम्हारे देश को उजाड़ दे ..."

यिर्मयाह ४:७

37

घमण्डी और आडम्बरी बाबुल के राजा ने कल्पना की कि उसका राज्य सदा बना रहेगा। उसने कभी सोचा भी नहीं कि कोई और राष्ट्र भी संसार पर शासन कर सकता था। उसने अपने भवन की ईंटों पर खुदवाया "यह सदैव तक बना रहे"।

38

(दृश्य)

१३ अक्टूबर, ५३९ ईसा पूर्व को बाबुल राज्य का (धातु की मूर्ति में सोने का सिर और दानिय्येल के स्वप्न में उकाब के पंख वाले सिंह) लज्जाजनक अन्त हो गया।

१७ - झूठ की पहचान

39

(दृश्य)

दूसरे जन्तु रीछ द्वारा दर्शाया गया साम्राज्य विजयी मादी फारस वही राज्य है जिसे धातु के विशाल पुरूष में चाँदी की छाती और भुजाओं के रूप में दर्शाया गया है इसके अतिरिक्त कोई अन्य राष्ट्र नहीं हो सकता है। जब दानिय्येल ने अपने स्वप्न में रीछ को देखा, तो उसने कहा,

40

(मूलपाठः दानिय्येल ७:५)

"...एक पांजर के बल उठा हुआ था और उसके मुँह में दाँतों के बीच तीन पसली थीं।"

दानिय्येल ७:५

41

दानिय्येल ने कहा कि रीछ के मुँह में दाँतों के बीच तीन पसुली थीं किन्तु बाइबिल उनका अर्थ नहीं बताती।

42

यद्यपि अधिकतर बाइबिल के ज्ञाता विश्वास करते हैं कि तीन पसलियाँ

43

लीदिया, बाबुल और मिस्र -- इन तीन राष्ट्रों को दर्शाते हैं जिन्हें मादी फारस की सेना ने निगल लिया था।

१७ - झूठ की पहचान

44

फारसी साम्राज्य ने दो शताब्दी तक शासन किया। इसके क्रूर और शक्तिशाली होते हुए भी परमेश्वर ने दानिय्येल को स्वप्न में प्रकट किया कि एक और दूसरा पशु या राज्य आयेगा:

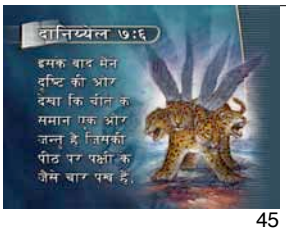

45

(मूलपाठ: दानिय्येल ७:६)
"इसके बाद मैंने दृष्टि की और देखा कि चीते के समान एक और जन्तु है जिसकी पीठ पर पक्षी के जैसे चार पंख हैं;

46

और उस जन्तु के चार सिर थे और उसको अधिकार दिया गया।"
दानिय्येल ७:६

47

जैसे धीमे चलने वाले रीछ की तेज दौड़ने वाले चीते से कोई बराबरी नहीं होती उसी तरह फारसी सेनाएँ भी वेग से आगे बढ़ने वाले सिकन्दर महान के सामने टिक न सकीं।

48

(दृश्य)
नबूकदनेस्सर के स्वप्न में पीतल का पेट और जांघे और दानिय्येल के स्वप्न का चीता दोनों ही संसार के तीसरे साम्राज्य यूनान को दर्शाते हैं।

१७ - झूठ की पहचान

49

चार पंख सिकन्दर के विजय अभियान की तीव्र गति को दिखाते हैं। उसने ३३१ ईसा पूर्व में अरबेला के युद्ध में दारा तृतीय को पराजित किया और बारह से भी कम वर्षों में संसार के सबसे विशाल साम्राज्य का शासक बन बैठा। चीते के चार सिंह यूनान के चार विभाजनों को दिखाते हैं।

50

(मूलपाठः दानिय्येल ८:२२)

"उस जाति से चार राज्य उदय होंगे।"

दानिय्येल ८:२२

51

इतिहास बताता है कि यूनान का साम्राज्य वास्तव में चार भागों में बटँ गया। अरबेला की महान विजय के मात्र सात वर्ष के बाद सिकन्दर की बत्तीस वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई।

उसे दफन करने से पहले ही उसके सम्बन्धियों में और उसके सेनापतियों में सत्ता के लिए संघर्ष होने लगा। अन्ततः सिकन्दर के चार सेनापतियों ने साम्राज्य पर नियन्त्रण कर लिया।

52

(दृश्य)

अब चीते या यूनान के चार सिर थे!

कैसेन्डर, लाइसीमेकस, टोलेमी और सेल्यूकस।

१७ - झूठ की पहचान

53

अधिकतर लोग एक सिर रखकर सही दिशा में चलने में कठिनाई अनुभव करते हैं। सोचिए तो क्या होगा यदि आपके चार सिर हों? संघर्ष!

प्रत्येक सिर प्रथम होने का प्रयास करेगा!

यूनान के साम्राज्य के साथ भी यही हुआ॥ सिकन्दर के चारों सेनापति महत्वाकांक्षी और लालची पुरूष थे जो साम्राज्य पर शासन करना चाहते थे।

54

"प्रत्येक ने एक- दूसरे के विरूद्ध तलवार पैनी की और साम्राज्य विवाद में उलझ कर समाप्त हो गये।"

सिकन्दर महान, पृष्ठ ४९४

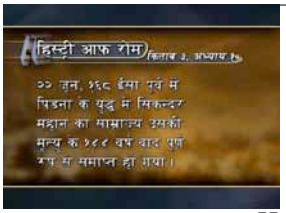

55

व्यग्रता और विवाद साम्राज्य के चारों भागों में अन्त तक बने रह।

"२२ जून, १६८ ईसा पूर्व मे, पिडना के युद्ध में सिकन्दर महान का साम्राज्य उसकी मृत्यु के १४४ वर्ष बाद पूर्ण रूप से समाप्त हो गया।"

- हिस्ट्री आफ रोम, किताब ३, अध्याय १०।

56

परन्तु उस चौथे खूंखार जन्तु का क्या जिसका उदय दानिय्येल के अनुसार यूनान के साम्राज्य के बाद होना था?

१७ - झूठ की पहचान

57

स्वर्गदूत ने दानिय्येल को बताया कि चौथा राज्य शेष राज्यों से भिन्न होगा। इसका प्रतीक यह है कि वह अत्यधिक सामर्थी था और उसके बहुत से लोहे के दाँत थे जिससे वह शिकार को चीरता था। यह एक निर्दयी दुष्ट शक्ति का चित्रण है।

58

रोमन साम्राज्य के उदय के लिए इससे सही वर्णन नहीं मिल सकता था।

59

रोम अपने पूर्व के सभी साम्राज्यों से अधिक क्रूर और निर्दयी था।
उन्होंने पूरे राष्ट्रों का या तो नाश किया या फिर उनके लोगों को दासता में बेच दिया।

60

(दृश्य)
इस भयानक जन्तु के दाँत लोहे के थे जब कि धातु की मूर्ति में चौथे राज्य की टांगे लोहे की थीं।
इस पशु न, और विशेषकर इसके दस सींगो ने दानिय्येल की जिज्ञासा बढ़ा दी।

१७ - झूठ की पहचान

61

(मूलपाठः दानिय्येल ७:८)

उसने कहा "मैं उन सींगों को ध्यान से देख रहा था तो क्या देखा कि उनके बीच एक और छोटा सा सींग निकला,

62

और उसके बल से उन पहले सींगो में से तीन उखाड़े गये ..."

दानिय्येल ७:८

63

(मूलपाठः दानिय्येल ७:२४)

स्वर्गदूत ने दानिय्येल को बताया कि "उन दस सींगों का अर्थ यह है कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे।"

दानिय्येल ७:२४

64

(दृश्य)

कोई सन्देह नहीं कि दानिय्येल का ध्यान उस धातु की विशाल मूर्ति पर अवश्य गया होगा जिसके पैर लोहे और मिट्टी के बने थे, जो रोमी साम्राज्य के विभाजन के प्रतीक थे।

१७ - झूठ की पहचान

65

(दृश्य)

४७६ ईसवी तक उत्तरी यूरोप की जंगली जातियां रोमी साम्राज्य को अधिकांश रुप से नाश कर चुकी थीं। इनमें से सात राज्य आज भी यूरोप में हैं।

66

किन्तु दानिय्येल को जो सर्वाधिक रूचिकर लगा वह था वह छोटा सींग जो दस सींगों के बीच में से निकला तथा स्वयं को शक्तिशाली बनाने के संघर्ष में जिसने तीन सींग उखाड़ डाले।

67

(मूलपाठः दानिय्येल ७:८)

दानिय्येल ने देखा कि "इस छोटे सींग में मनुष्य की सी आंख और बड़ा बोल बोलने वाला मुँह भी है।"

दानिय्येल ७:८

68

इस छोटे सींग ने दानिय्येल को परेशान कर दिया।

69

(मूलपाठः दानिय्येल ७:१५)

उसने लिखा "मुझ दानिय्येल का मन विकल हो गया, और जो कुछ मैंने देखा उसके कारण मैं घबरा गया।"

दानिय्येल ७:१५

१७ - झूठ की पहचान

70

इस छोटे सींग ने दानिय्येल को चिन्तित क्यों किया?

71

(मूलपाठः दानिय्येल ७:२१,२५)

क्योंकि "वह सींग पवित्र लोगों के संग लड़ाई करके उन पर प्रबल हो गया।"

72

"और वह परम प्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा,

73

और परम प्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा और समयों और व्यवस्था को बदलने की आशा करेगा :

74

वरन साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएंगे।"

दानिय्येल ७:२१,२५

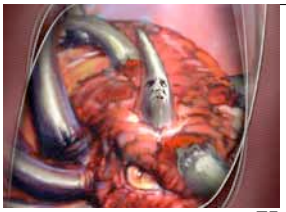
75

दानिय्येल ने पहचान लिया कि यह विधान अब केवल सांसारिक इतिहास नहीं रहा किन्तु इसका सम्बन्ध परमेश्वर के लोगों से था।

१७ - झूठ की पहचान

76

इस छोटे सींग ने परमेश्वर के पवित्र लोगों के विरुद्ध लड़ाई करके वास्तव में उन्हें एक समय तक के लिए अपने वश में कर लिया।

निश्चय ही इसका एक निष्ठूर, सताने वाली शक्ति का होना था जिसका प्रयोग शैतान द्वारा परमेश्वर के लोगों और उसके सत्य के विरुद्ध होना था।

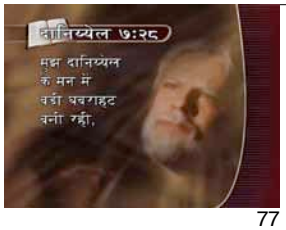

77

(मूलपाठः दानिय्येल ७:२८)

दानिय्येल ने कहा "मुझ दानिय्येल के मन में बड़ी घबराहट बनी रही,

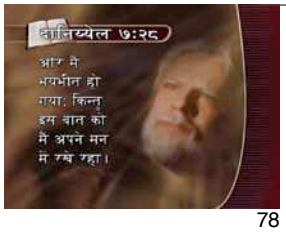

78

और मैं भयभीत हो गया; किन्तु इस बात को मैं अपने मन में रखे रहा।"

दानिय्येल ७:२८

79

यह छोटा सींग कौन है?

80

आइए इस छोटे सींग के विषय बाइबिल के वर्णन का अवलोकन करके देखें कि इसके पूरा होने के लिए इतिहास में क्या लिखा है।

दानिय्येल ने चौथे जन्तु या चौथे विश्व साम्राज्य रोम का वर्णन ऐसे किया कि

१७ - झूठ की पहचान

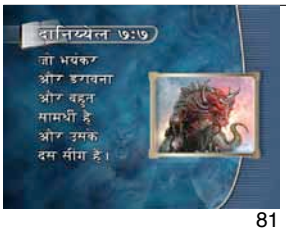

81

(मूलपाठः दानिय्येल ७:७)

"जो भयंकर और डरावना और बहुत सामर्थी है और उसके दस सींग हैं।"

दानिय्येल ७:७

82

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २४)

दानिय्येल ७ : २४ बताता है कि दस सींग, "दस राजा जो उदय होंगे" का प्रतीक हैं।

83

चौथे के पतन के बाद इतिहास के पर्दे पर कोई और विश्व साम्राज्य उदय होने की बजाय भविष्यवाणी ने घोषणा की कि रोमन साम्राज्य दस छोटे -छोटे राज्यों में बंट जाएंगे।

इतिहास दानिय्येल की भविष्यवाणी के उस भाग को प्रमाणित करती है।

84

इतिहासकार बताते हैं कि रोम का विभाजन ४७६ ईसवी तक पूरा हो गया। अंग्रेज इतिहासकार एडवर्ड ईलीएट की पुस्तक होरे एपोकेलेप्टिक के अनुसार निम्नलिखित जंगली जातियों ने रोमन सामाज्य को ३५१ -४७६ ईसवीं तक रौंद डाला।

१७ - झूठ की पहचान

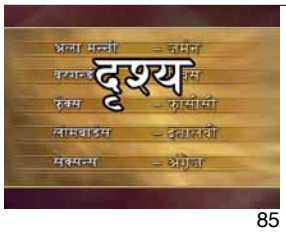

85

(दृश्य)

निम्नलिखित सूची जर्मन जातियों के नाम और उनके आधुनिक प्रतिरुप देती है;

अलमानी – जर्मन

बरगन्डियस –स्विस

फ्रैंक्स - फ्रैंच

लोम्बार्डस –इटैलियंस

सैक्सन्स - इंगलिश

सूवी – पुर्तगीस

विसिगोथस – स्पैनिश

हेरुली -समाप्त

ओस्ट्रोगोथस – समाप्त

वैन्डल्स - समाप्त

86

दानिय्येल द्वारा देखे गये चौथे जन्तु के ये दस सींग हैं। भविष्यवाणी के अनुसार दस सींगो या रोमन साम्राज्य के विभाजन के पश्चात छोटे सींग को अत्यधिक शक्तिशाली होना था।

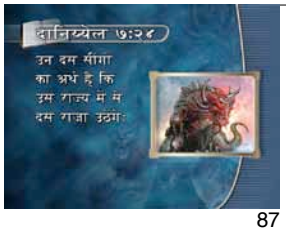

87

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २४)

"उन दस सींगों का अर्थ है कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे:

१७ - झूठ की पहचान

88

उन पहलों से भिन्न एक और राजा उठेगा जो तीन राजाओं को गिरा देगा।"

दानिय्येल ७ : २४

89

४९३ ईसवीं में सम्राट जेनो की मदद से हेरूली का अन्त हो गया।

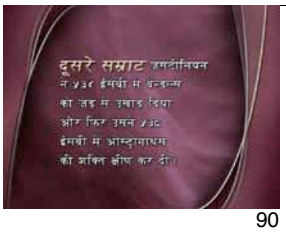

90

दूसरे सम्राट जसटीनियन ने ५३४ ईसवी में वेन्डल्स को जड़ से उखाड़ दिया और फिर उसने ५३८ ईसवी में ओस्ट्रोगोथस की शक्ति क्षीण कर दी।

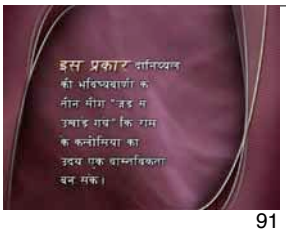

91

इस प्रकार दानिय्येल की भविष्यवाणी के तीन सींग "जड़ से उखाड़े गये" कि रोम के कलीसिया का उदय एक वास्तविकता बन सके।

92

इसी समय में जसटीनियन ने रोम के बिशप या पोप को पश्चिमी रोम के धार्मिक अगुआ के रुप में स्थापित करने हेतु एक राजाज्ञा निकाली।

दानिय्येल ने यह भी घोषणा की कि वह छोटा सींग दूसरे राज्यों से भिन्न होगा:

93

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २४)

"वह उन पहिलों से भिन्न होगा " दानिय्येल ७ : २४।

क्या यह जन्तु भिन्न था? वास्तव में!

१७ - झूठ की पहचान

94

दूसरे राज्य राजनीतिक शक्तियाँ थी किन्तु छोटा सींग एक कलीसिया थी जिसने राजनीतिक शक्ति को नियन्त्रण में रखा।

95

जैसाकि प्रोटेस्टेन्ट सुधारक ने दावा किया भविष्यवाणी संबंधी उंगली बिना कोई गलती किए मध्य युग की रोमन कलीसिया की ओर उठती है जो दानिय्येल ७ का छोटा सींग है। दानिय्येल ने इस छोटे सींग को पहचानने के लिए इसका दूसरा गुण बताया।

96

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २१)
"मैंने देखा कि छोटा सींग पवित्र लोगों के संग लड़ाई करके उन पर प्रबल हो गया।"
दानिय्येल ७ : २१

97

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २५)
उसने यह भी कहा कि यह शक्ति "पवित्र लोगों को पीस डालेगी"
पद २५।

१७ - झूठ की पहचान

98

क्या मध्य युग की कलीसिया ने मसीहियों को सताया? दुर्भाग्य से, हाँ! जांच परख, पवित्र धर्म युद्ध, ह्यूगीनोटस्, वालडेनसेस, एलबीगेन्सेस, तीस वर्ष का युद्ध, जेल खाने की काल कोठरी,

99

और शहीदों को खम्बों से बांधकर जलाती ज्वाला – ये सब मण्डली के अन्धकार युग के शासन से जुड़े हैं किन्तु हम इस छोटे सींग के और भी महत्वपूर्ण चरित्र को पाते हैं।

100

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २५)
भविष्यवाणी ने कहा कि यह "समयों और व्यवस्था को बदलने की सोचना"
दानिय्येल ७ : २५
क्या पोपियत ने मध्य युग में परमेश्वर की स्वर्गीय व्यवस्था और नियमों को बदलने का प्रयास किया?

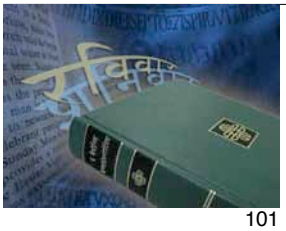
101

हाँ, यह दावा करती है कि इसने सब्त को परम्पराओं के कारण शनिवार से रविवार में बदल दिया।

१७ - झूठ की पहचान

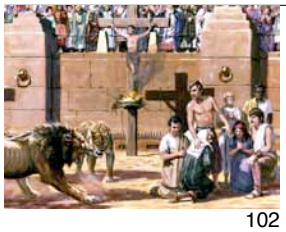
102

अन्तिम गुण जो हम अध्ययन करेंगे, बताता है कि कब यह शक्ति महाशक्ति बनेगी और वह समय सीमा जिसमें यह परमेश्वर के पवित्र लोगों को सतायेगी:

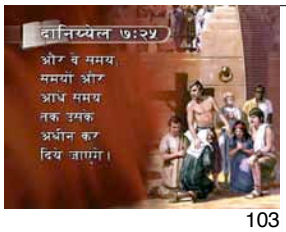

103

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २५)

"और वे समय, समयों और आधे समय तक उसके अधीन कर दिये जाएंगे।"

दानिय्येल ७ : २५

यहाँ हम बाइबिल के कुछ और चिन्ह प्राप्त करते हैं।

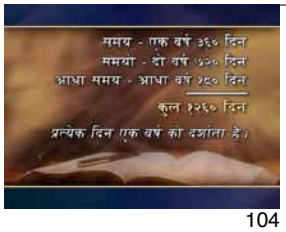

104

'समय' का अर्थ एक वर्ष और 'समयों' का अर्थ दो वर्ष या ७२० भविष्यवाणी के दिन हैं। समय का भाग आधा वर्ष या १८० दिन होगा।

जब हम इनको जोड़ते हैं अर्थात (३६० दिन), समयों (७२० दिन) और समय का आधा भाग (१८० दिन) को जोड़ते हैं तो हमें कुल १,२६० भविष्यवाणी के दिन या वर्ष प्राप्त होते हैं।

१७ - झूठ की पहचान

105

(मूलपाठ : यहेजकेल ४ : ६)

यहेजकेल के अनुसार भविष्यवाणी का एक दिन का अर्थ एक वर्ष होता है। "मैंने तेरे लिए एक दिन की सन्ती एक दिन ठहराया है।

यहेजकेल ४ : ६, किंग जेम्स का अनुवाद

छोटे सींग की शक्ति को १,२६० वर्ष तक महान रहना था!

इतिहास समय के इस भाग की पुष्टी करता है।

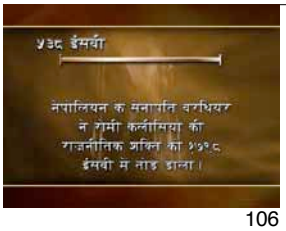

106

रोमी कलीसिया का विरोध करने वाली दस जातियों में से अन्तिम ओस्ट्रोगोथस ५३८ ईसवी में पूरी तरह पराजित हो गयी। जिससे रोमन कलीसिया को अपनी राजनीतिक और धार्मिक शक्ति का विकास करने का मार्ग साफ हो गया।

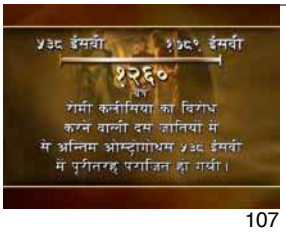

107

ठीक १,२६० वर्ष बाद १७९८ में नेपोलियन के सेनापति बरथियर के द्वारा रोमन कलीसिया की राजनीतिक शक्ति तोड़ दी गयी।

१७ - झूठ की पहचान

108

इस प्रकार हमने दानिय्येल ७ और उस छोटे सींग की भविष्यवाणी का अध्ययन किया है जोकि चौथे जन्तु के सिर से निकला था, हमने निम्न चिन्हों को खोजा है जो यह प्रमाणित करते हैं कि यह शक्ति क्या है। आइए इन चिन्हों पर ध्यान दें।

109

१. यह छोटा सींग पश्चिम यूरोप में रोम के बिखरने के बाद बने दस राज्यों में से निकलेगा। दानिय्येल ७ : ८

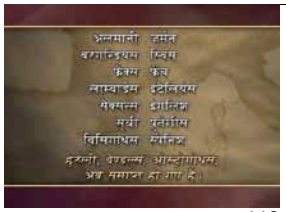

110

२. शक्ति प्राप्त करने के लिए छोटे सींग ने अपने से पहले के तीन राज्यों को जड़ से उखाड़ दिया। ये तीन राज्य हेरुली, ओस्ट्रोगोथस् और वैन्डल्स थे। ये तीनो राष्ट्र विश्वास में एरियान थे और इन्होंने पोप को कलीसिया का मुखिया मानने से इन्कार कर दिया था। दानिय्येल ७ : ८

111

३. भविष्यवाणी कहती है कि यह छोटा सींग उन स्थापित हुए सींगो के बीच में से निकलेगा। दानिय्येल ७ : २० इसका अर्थ है कि यह राज्य ४७६ ईसवी के बाद स्थापित होगें।

१७ - झूठ की पहचान

112

४. यह शक्ति दूसरे राज्यों से भिन्न होगी॥ यह राजनीतिक और धार्मिक दोनों ही राज्य था।

दानिय्येल ७ : २४

113

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २१,२५)

५. यह छोटा सींग सतायेगा या पवित्र लोगों को पीस डालेगा। "मैंने देखा वह सींग पवित्र लोगों के संग लड़ाई करके उन पर प्रबल हो गया।"

दानिय्येल ७ : २१, २५

114

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २५)

६. "यह शक्ति समय और व्यवस्था को बदलने की सोचेगी। दूसरे शब्दों में, यह कलीसिया स्वयं को परमेश्वर के समयों और उसकी आज्ञाओं को बदलने के योग्य समझ लेगी।"

दानिय्येल ७ : २५

115

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २५)

७. भविष्यवाणी संकेत करती है कि यह शक्ति १,२६० वर्ष के समय तक महान शक्ति के रुप में शासन करेगी। क्योंकि बाइबिल कहती है : "और वे समय समयों और आधे समय तक उसके अधीन कर दिए जाएंगे।

दानिय्येल ७ : २५

१७ - झूठ की पहचान

116

आप इस भविष्यवाणी से देख सकते हैं कि संसार में केवल एक ही ऐसी शक्ति है जो सही समय पर सही स्थान में इन चिन्हों को पूरा करने के लिए उदय हुई। यह रोमी कलीसिया है।

117

दानिय्येल की महान भविष्यवाणी के अंत तक पहुँचने के लिए अब आइए आगे छलांग लगायें क्योंकि इसका अन्त परमेश्वर के लोगों के लिए प्रसन्नता भरा है।

118

दर्शन में जैसे दानिय्येल ने देखा कि पृथ्वी पर शक्तियाँ राजनीतिक और धार्मिक प्रभुता पाने के लिए संघर्ष कर रही थीं,

119

अचानक उसका ध्यान पृथ्वी पर से स्वर्ग की ओर चला गया।

120

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : ९, १०)
"मैंने देखते देखते क्या देखा कि सिंहासन रखे गए और कोई अति प्राचीन विराजमान हुआ;

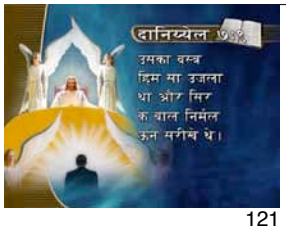

121

उसका वस्त्र हिम सा उजला था और सिर के बाल निर्मल ऊन सरीखे थे।

१७ - झूठ की पहचान

122

उसका सिंहासन अग्निमय और उसके पहिए धधकती हुई आग के से थे;

123

उसके सम्मुख से आग की धारा निकल कर बह रही थी।

124

हजारों हजार लोग उसकी सेवा टहल कर रहे थे;

125

और लाखों लाख लोग उसके सामने हाजिर थे। फिर न्यायी बैठ गये और पुस्तकें खोली गयीं।"

दानिय्येल ७ : ९, १०

126

दानिय्येल ने परमेश्वर पिता को, जिसे यहाँ अति प्राचीन कहा गया, आते और महिमामय सिंहासन पर विराजमान होते देखा।

127

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २२) ध्यान दीजिए दानिय्येल इस घटना का वर्णन कैसे करता है। "जब तक वह अति प्राचीन दिन आए!

दानिय्येल ७ : २२

अब अदालत न्याय आरम्भ करने के लिए तैयार है।

१७ - झूठ की पहचान

128

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : १०)

"न्यायी बैठ गए और पुस्तकें खोली गई।"

दानिय्येल ७ : १०

दानिय्येल को स्वर्ग में हो रहे न्याय को दिखाया गया जहाँ उस छोटे सींग की शक्ति का परमेश्वर के द्वारा न्याय होते दिखाया गया जिसने पवित्र लोगों के विरुद्ध लड़ाई की थी।

दानिय्येल ने इस न्याय का परिणाम भी देखा:

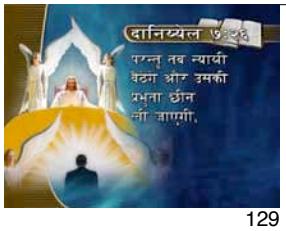

129

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : २६)

"परन्तु तब न्यायी बैठेंगे और उसकी प्रभुता छीन ली जाएगी,

130

यहाँ तक कि उसका अन्त ही हो जाएगा।"

दानिय्येल ७ : २६

131

पिता परमेश्वर के विराजमान होने के बाद और न्याय आरम्भ ही होने वाला था, दानिय्येल ने कुछ बहुत ही विशेष, अत्यंत सुन्दर घटते हुए देखा :

132

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : १३)

"मैंने रात में स्वप्न में देखा, और देखो मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था,

१७ - झूठ की पहचान

133

और वह उस अति प्राचीन के पास पहुँचा, और उसको वे समीप लाए।"

दानिय्येल ७ : १३

134

यह विशिष्ठ व्यक्ति "मनुष्य की संतान" कौन है जो सनातन न्यायी के समक्ष प्रस्तुत किया गया?

135

यीशु ने अपने चकित चेलों के लिए नये नियम में इस शब्द का प्रयोग चालीस से अधिक बार स्वयं के लिए किया।

136

(मूलपाठ : मत्ती १७ : २२,२३)

उसने कहा, "मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाएगा :

137

और वे उसे मार डालेंगे, और वह तीसरे दिन जी उठेगा।"

मत्ती १७ : २२,२३

यहूदा, धोखेबाज चेले से यीशु ने पूछा,

१७ - झूठ की पहचान

138

(मूलपाठ : लूका २२ : ४८)

"क्या तू चूमा लेकर मनुष्य के पुत्र को पकड़वाता है?"

लूका २२ : ४८

किन्तु इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात वह है जो मसीह की जाँच के समय न्याय आसन पर बैठे महायाजक के लिए कही गयी:

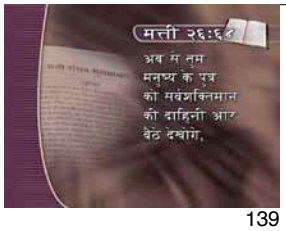

139

(मूलपाठ : मत्ती २६ : ६४)

"अब से तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दाहिनी ओर बैठे देखोगे,

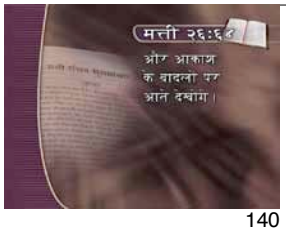

140

और आकाश के बादलों पर आते देखोगे।"

मी २६ : ६४

यहाँ यीशु बिना गलती किए स्वयं को मनुष्य के पुत्र रुप में पहचान करवाता है जिसे दानिय्येल ने अपने दर्शन में देखा – वह जो आकाश के बादलों के साथ आता हुआ दिखा।

१७ - झूठ की पहचान

141

मसीह न्याय में सब पापियों का, जिन्होंने उसे अपना वकील और मध्यस्त स्वीकार कर लिया है, प्रतिनिधित्व करने के लिए आते हैं।

उस अदालत में हमारे न्यायी के रुप में उन्होंने कभी कोई मुकद्दमा नहीं हारा! वचन कहता है कि पुस्तकें खोली गई।

142

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : १०)

"न्यायी बैठ गए और पुस्तकें खोली गयीं।"

दानिय्येल ७ : १०,अन्तिम भाग

143

पुस्तकों में हमारे जीवन का प्रत्येक कार्य -चाहे बुरा हो या अच्छा हो –लिखा होगा।

उनमें जो सुअवसर परमेश्वर ने हमें दिये है और जिस प्रकार हमने उन सुअवसरों का उत्तर दिया है वह भी लिखा होगा।

144

यदि हमने मसीह को अपना उद्धारकर्त्ता और प्रभु स्वीकार कर लिया है तब जब हमारा न्याय परमेश्वर के सामने आता है मसीह आगे बढ़कर घोषणा करेगा कि उसकी मृत्यु ने हमारे द्वारा किए गए प्रत्येक पाप की कीमत चुका दी है!

१७ - झूठ की पहचान

145

उसी दिन स्वर्ग के अभिलेख में उसका पापरहित जीवन हमारे पापपूर्ण जीवन का स्थान ले लेता है, और जब पिता हमारा अभिलेख देखता है तो वह केवल मसीह के पापरहित जीवन को, जो हमें मिला है, देखता है।

146

हमें अनन्त जीवन मिलेगा, इसलिए नहीं कि हमने कुछ किया है परन्तु इसलिए कि मसीह ने क्रूस पर हमारे लिये कुछ किया है।

शायद दानिय्येल ने छोटे सींग और उसके अन्त में इतनी अधिक रुचि ली कि उसने छलांग लगाकर इसकी पूरी कहानी बता दी जो वास्तव में मसीह के आगमन से पूर्व घटती है,

147

जब पृथ्वी पर जीवन के कार्यों की जाँच होती है और यह निर्णय हो जाता है कि कौन परमेश्वर के सनातन राज्य में होंगे, तब राज्य और प्रभुता मसीह को दिये गये:

148

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : १४)

"तब उसको ऐसी प्रभुता महिमा और राज्य दिया गया,

149

कि सब जातियों और भाषाओं के लोग उसकी सेवा करें :

१७ - झूठ की पहचान

150

उसकी प्रभुता सदा तक अटल रहे,

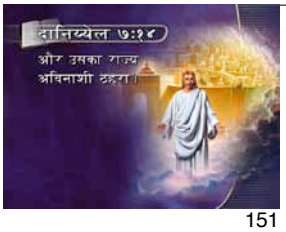

151

और उसका राज्य अविनाशी ठहरा।"

दानिय्येल ७ : १४

दानिय्येल इस राज्य के विषय में और अधिक सुसमाचार बताता है :

152

(मूलपाठः दानिय्येल ७:२७)

"राज्य और प्रभुता परमप्रधान ही की प्रजा अर्थात उसके पवित्र लोगों को दी जाएगी।"

दानिय्येल ७:२७

परमेश्वर की प्रजा, उसके पवित्र लोग, सनातन राज्य के मसीह के साथ संयुक्त रुप से उत्तराधिकारी होंगेः

153

(मूलपाठ : दानिय्येल ७ : १८)

"परम प्रधान के पवित्र लोग राज्य पाएंगे, और युगानयुग उसके अधिकारी बने रहेंगे।"

दानिय्येल ७ : १८ ।

१७ - झूठ की पहचान

154

भविष्यवाणी का यह भाग नबूकदनेस्सर के स्वप्न की शिला के समानान्तर है जो बिना किसी के हाथ लगाये काटी गयी और मूर्ति के पैरों पर लगी और विशाल पहाड़ बन गयी

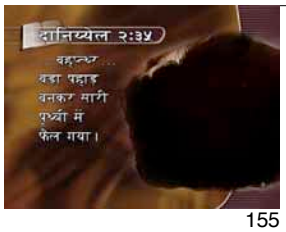

155

(मूलपाठः दानिय्येल २:३५)

"...वह पत्थर... बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया।"

दानिय्येल २:३५

इन दो समानान्तर भविष्यवाणियों में –नबूकदनेस्सर के स्वप्न की विशाल मूर्ति और

156

दानिय्येल के जन्तुओं के स्वप्न द्वारा परमेश्वर ने पृथ्वी के इतिहास को प्राचीन बाबुल से लेकर उस महान दिन तक जब यीशु महिमा के साथ बादलों में प्रेम और धार्मिकता के अनन्त राज्य की स्थापना हेतु आएगा, उसका सारांश दे दिया है।

१७ - झूठ की पहचान

157

आज हम लोहे और मिट्टी के पैरों के समय में रह रहें हैं।

पृथ्वी और इसके निवासियों के लिए समय समाप्त होने वाला है!

यही संदेश है जो परमेश्वर अपनी महान भविष्यवाणियों द्वारा हममें से प्रत्येक को देने का प्रयास कर रहा है।

158

शताब्दियों के विश्व इतिहास को बाइबिल के केवल दो छोटे अध्यायों में व्यक्त करने का यह क्या ही विलक्षण तरीका है।

सोचिए क्या दानिय्येल को बाबुल में इतने समय पहले उस रात को दिया गया स्वप्न परमेश्वर के लोगों के लिए उसके प्रेम और रुचि को व्यक्त नहीं करता?

159

आपने देखा, यरुशलेम बर्बाद था।

परमेश्वर की प्रजा बाबुल की दासत्व में थी।

स्थिति काफी निराशाजनक थी।

परन्तु परमेश्वर इस सर्वाधिक अनोखे तरीके से दानिय्येल को बता रहा था, "मैं अभी भी शासक हूँ।

१७ - झूठ की पहचान

160

शासक आयेंगे और शासक चले जायेंगे। साम्राज्यों का उदय और पतन होगा किन्तु मैं अपने बच्चों को पृथ्वी पर या उनके लिए मेरी योजना को भूला नहीं हूँ। किसी दिन सब कुछ ठीक हो जाएगा।" और मित्र, राजा और राज्य आए और गए। मूर्ति और जन्तुओं की दोहरी भविष्यवाणियाँ लगभग पूर्णरुप से पूरी हो चुकी हैं। यीशु न्याय करने के लिए और बहुत पहले आदम और हव्वा द्वारा खोई हुई प्रभुता की पुनःस्थापना करने के लिए बहुत शीर्घ आ रहे हैं।

161

परमेश्वर चाहता है कि पृथ्वी पर उसके बच्चे उस राज्य का एक भाग हों और उस महिमामय क्षण के लिए तैयार हों जब हमारा उद्धारकर्त्ता वापस आयेगा! क्योंकि उस महिमामय दिन में हम अपने उद्धारकर्त्ता और प्रभु को देखें!